



हिन्दी विभाग

भाषा संकाय

हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 के अधीन स्थापित)

धर्मशाला, जिला-कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश-176215

www.cuhimachal.ac.in

पाठ्यक्रम शीर्षक : जनपदीय भाषा साहित्य: काँगड़ी बोली के संदर्भ में

पाठ्यक्रम कूट-संकेत : एच.आई.एल. 405 (क) [HIL405 क]

स्तर : 2

श्रेय: 2 श्रेय

श्रेय तुल्यमान: 2 श्रेय

व्याख्यान, संगठित कक्षा गतिविधि और व्यक्तिगत सम्पर्क के 10 घंटे, प्रयोगशाला / व्यावहारिक / ट्यूटोरियल / शिक्षक नियंत्रित गतिविधियों कार्य के 5 घंटे और अन्य कार्य जैसे स्वतन्त्र व्यक्तिपरक कार्य, सामूहिक कार्य, निर्धारित कार्य/ वैकल्पिक कार्य, साहित्य समीक्षा, पुस्तकालय कार्य, तथ्य संग्रह, शोध-पत्र लेखन, सेमीनार, प्रबंध लेखन इत्यादि के 15 घंटे के समान है]

पाठ्यक्रम परिणाम:

- इसका अध्ययन एवं जनपदीय भाषा-बोलियों तथा उनमें सृजित साहित्य की जानकारी प्रदान करना।
- काँगड़ा जनपदीय बोली का अध्ययन करने से इस जनपद की बोलियों का उन्नयन होगा, इससे हिंदी भाषा व साहित्य का विकास होगा।
- जीवन मूल्यों के साथ पारंपरिक व्यवहारों को पकड़े रखना पाठ्यक्रम का उद्देश्य है।

अधिगम परिणाम :

- जनपदीय साहित्य के अध्ययन से छात्रों का सर्वांगीण विकास होगा।
- छात्रों को आंचलिक जन-जीवन, संस्कृति तथा सामयिक बदलावों का बोध होगा।
- छात्रों के अंतर्मन में बौद्धिकता, मर्मस्पर्शिता, रसवत्ता तथा लयवत्ता की जानकारी मिलेगी।
- जनपदीय लेखकों के जीवन के अनुभवों और उपलब्धियों को उनके रचित साहित्य में पढ़ने से अपनी भाषा-बोली तथा सांस्कृतिक परंपराओं का ज्ञान बढ़ेगा।

उपस्थिति अनिवार्यता : पूर्ण एवं सुनिश्चित लाभ हेतु छात्र का सभी कक्षाओं में उपस्थित होना अनिवार्य है | न्यूनतम 75% कक्षाओं में उपस्थिति दर्ज न होने पर छात्र को परीक्षा में बैठने से वंचित किया जा सकता है |

मूल्यांकन मापदंड : 1. मध्यावधि परीक्षा - 20%

2. सत्रांत परीक्षा - 60%

3. सतत आंतरिक मूल्यांकन - 20%

पाठ्यक्रम विषयवस्तु -

इकाई -1

(4 घंटे)

- 1) जनपदीय बोलियाँ: अर्थ एवं परंपरा
- 2) काँगड़ी बोली: अर्थ, परंपरा एवं क्षेत्र विस्तार
- 3) काँगड़ी (हिमाचली) का भाषा वैज्ञानिक स्वरूप एवं क्षेत्रीय ध्वनि रूप

इकाई-2

(4 घंटे)

- 1) स्वतंत्रताकालीन लोक गायन
- 2) स्वतंत्रताकालीन काँगड़ी प्रतिनिधि कवि (पहाड़ी गांधी बाबा कांशीराम तथा अन्य कवि)
- 3) काँगड़ी कविता एवं प्रतिनिधि कवि (1966-1980 तक)

समीक्षा एवं व्याख्या:

- (क) सामाजिक, श्रृंगारिक और आज़ादी चेतना संबंधी कविताएँ
पुस्तक: "पहाड़ी सरगम" पाँच कविताएँ
लेखक: "पहाड़ी गांधी बाबा कांशीराम"
- (ख) पुस्तक: "मेरा देश म्हाचल"
लेखक: "पीयूष गुलेरी" (प्रथम पाँच कविताएँ)
- (ग) पुस्तक: "चेते"
लेखक: गौतम शर्मा व्यथित (प्रथम पाँच कविताएँ)

इकाई-3

(4 घंटे)

- 1) काँगड़ी कथा-साहित्य की विकास यात्रा
- 2) प्रतिनिधि काँगड़ी कहानीकारों का अध्ययन
- 3) काँगड़ी उपन्यास की विकास यात्रा

समीक्षा एवं व्याख्या:

- (क) कहानी: "नूरां"
लेखक: देसराज डोगरा (पत्रिका "हिमभारती" हिमाचल कला संस्कृति भाषा अकादमी शिमला)
- (ख) उपन्यास: "जौंडा" पुरस्कृत
लेखक: रवि मंडोतरा (प्रकाशक- पत्रिका "हिमभारती" हिमाचल कला संस्कृति भाषा अकादमी शिमला)

इकाई -4

(4 घंटे)

- 1) काँगड़ी में लिखित एकांकी एवं नाटकों की विकास यात्रा
- 2) प्रमुख एकांकीकारों एवं नाटककारों का परिचय

समीक्षा एवं व्याख्या:

- (क) एकांकी: "बड़ा बड्डा माहणू"
लेखक: प्रत्यूष गुलेरी (प्रकाशक "हिमभारती" वर्ष-1972)

इकाई -5

(4 घंटे)

- 1) निबंध: अर्थ एवं स्वरूप
- 2) काँगड़ी में लिखित सांस्कृतिक एवं समीक्षात्मक निबंध

समीक्षा एवं व्याख्या:

(क) निबंध: "दयालु धौलधार"

लेखक: वेद प्रकाश अग्नि (हिमाचल प्रदेश भाषा विभाग, चंगेर फुल्लां दी कने पहाड़ी लेखमाला)

संभावित ग्रन्थ :

आधार ग्रंथ

- 1 हिमाचल प्रदेश लोक संस्कृति और साहित्य, गौतम शर्मा व्यथित, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास दिल्ली
- 2 हिमाचल के लोकगीत, गौतम शर्मा व्यथित, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, दिल्ली
- 3 हिमाचल का हिंदी साहित्य का इतिहास, सुशील कुमार फुल्ल, वंदना पब्लिशर्स, लुधियाना
- 4 हिमाचल प्रदेश की लोक कथाएँ, सुदर्शन वशिष्ठ, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, दिल्ली
- 5 गद्दी, अमर सिंह रणपतिया, हिमाचल कला संस्कृति भाषा अकादमी शिमला
- 6 पहाड़ी साहित्य कने लोक साहित्य, गौतम शर्मा व्यथित, शीला प्रकाशन, नेरटी, काँगड़ा
- 7 हिमाचली लोक कथां, प्रत्यूष गुलेरी
- 8 हिमाचल के लोक नाट्य, तुलसी रमण संपादक, हिमाचल कला संस्कृति भाषा अकादमी, 9 शिमला
- 10 पत्रिका हिमभारती, हिमाचल कला संस्कृति भाषा अकादमी, शिमला
- 11 जनपदीय भाषाओं का साहित्य, रमण शांडिल्य, साहित्य प्रकाशन, दिल्ली
- 12 जनपदीय भाषा साहित्य (अवधी काव्य), सूर्य प्रकाश दीक्षित, संपादन, प्रकाशन केंद्र, लखनऊ